महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय
PROF. ANIL KUMAR PANDEY
अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
HEAD, DEPT. OF LINGUISTICS & LANGUAGE TECHNOLOGY

मोबाइल./ Mobile. : + 91-9890124458
दूरभाष/Phone: 07152-230084
फैक्स/Fax : 07152-230903
ई-मेल/E-mail: pandey_anilkumar61@rediffmail.com

दिनांक/Date : 24.08.2017

सूचना

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा **'शब्दकोश निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला'** का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी अवधि एक सप्ताह है। सभी इच्छुक अभ्यर्थी 28 अगस्त से 31 अगस्त तक अपना पंजीकरण उक्त विभाग में आकर करा सकते हैं।

(अनिल कुमार पाण्डेय)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

शब्दकोश निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला

(04-09 सितंबर 2017)

प्रशिक्षक

प्रो. वृषभ प्रसाद जैन, प्रो. उमाशंकर उपाध्याय
प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल , प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय
डॉ. एच. ए. हुनगुन्द, डॉ. अनिल कुमार दुबे, डॉ. धनजी प्रसाद

संयोजक

डॉ. धनजी प्रसाद

dhpr.langtech@gmail.com

'शब्दकोश' किसी भाषा की भाषायी संपदा को समझने-समझाने के आधारभूत स्रोत हैं। एक भाषा की संपन्नता का अनुमान उस भाषा में उपलब्ध शब्दकोशों की संख्या और उनकी व्यापकता से लगाया जा सकता है। इसलिए किसी भी भाषा को विश्व के क्षितिज पर सामर्थ्य के साथ उपस्थित करने के लिए उसके मातृभाषियों का कर्तव्य है कि वे अपनी भाषा में एक से बढ़कर एक समृद्ध शब्दकोशों का निर्माण करें। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में बहुभाषी शब्दकोशों का निर्माण एक आवश्यक अंग है। शब्दकोश निर्माण एक कला है। इसके लिए शब्दकोश निर्माण के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक रूप से प्रशिक्षण आवश्यक होता है। भाषा, भाषाविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी, अनुवाद आदि विविध क्षेत्रों से जुड़े हुए विद्वानों और शोधार्थियों को शब्दकोश निर्माण और अवलोकन का सम्यक ज्ञान होना चाहिए। इस ज्ञान को तभी पूर्ण रूप से विकसित किया जा सकता है जब उन्हें औपचारिक रूप से प्रशिक्षित किया जाए और शब्दकोश की बारीकियों से परिचित कराया जाए।

इसे ही ध्यान में रखते हुए **महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय** वर्धा के **भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग** द्वारा **'शब्दकोश निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला'** का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी अवधि एक सप्ताह है। इसका मुख्य फोकस 'भोजपुरी-हिंदी-अंग्रेजी' के एक त्रिभाषी शब्दकोश के निर्माण की बारीकियों से परिचित कराना है। इसलिए इसके सहभागियों की मातृभाषा भोजपुरी हो या उन्हें भोजपुरी के प्रारंभिक ज्ञान के साथ-साथ हिंदी और अंग्रेजी का भाषायी ज्ञान हो, तो शिक्षण-प्रशिक्षण और ज्ञानार्जन अधिक प्रभावी हो सकेगा।

कार्यक्रम की प्रस्तावित रूपरेखा

दिन	कार्यक्रम						
	10:30 – 11:45	**11:45 – 12:00**	**12:00 – 01:15**	**01:15- 02:45**	**02:45 – 04:15**	**04:15- 04:30**	**04:30 – 06:00**
1.	**उद्घाटन**	चाय अंतराल	शब्दकोश : परिचय	भोजन अंतराल	अभ्यास	चाय अंतराल	अभ्यास
2.	शब्दकोश : ऐतिहासिक परिदृश्य		परिचर्चा		अभ्यास		अभ्यास
3.	शब्दकोश के प्रकार		परिचर्चा		अभ्यास		अभ्यास
4.	शब्दकोश निर्माण प्रक्रिया		परिचर्चा		अभ्यास		अभ्यास
5.	शब्दकोश में प्रविष्टि		परिचर्चा		अभ्यास		अभ्यास
6.	शब्दकोश निर्माण की चुनौतियाँ		परिचर्चा		अभ्यास		**समापन एवं प्रमाण पत्र वितरण**

कार्यक्रम स्थल : कक्ष संख्या-02, भाषा विद्यापीठ, म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा
तिथि : 04-09 सितंबर 2017
पंजीयन शुल्क : रु. 300/-

प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या : 30

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

[पंजीकरण फॉर्म]

शब्दकोश निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला

(04-09 सितंबर 2017)

1. नाम (Name) : .....
2. कोर्स (Course) : .....
3. विभाग (Dept.) : .....
4. संपर्क नं. (Contact No.) : ..... 5. ई-मेल (E-mail) : .....
6. पता (Address) : .....
   .....
7. पंजीयन शुल्क : रु. 300/-

नोट: कार्यशाला में भाषाविज्ञान की पृष्ठभूमि और भोजपुरी, हिंदी, अंग्रेजी का सम्यक ज्ञान रखने वाले शोधार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

(हस्ताक्षर, दिनांक सहित)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

[पंजीकरण फॉर्म]

शब्दकोश निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला

(04-09 सितंबर 2017)

1. नाम (Name) : .....
2. कोर्स (Course) : .....
3. विभाग (Dept.) : .....
4. संपर्क नं. (Contact No.) : ..... 5. ई-मेल (E-mail) : .....
6. पता (Address) : .....
   .....
7. पंजीयन शुल्क : रु. 300/-

नोट: कार्यशाला में भाषाविज्ञान की पृष्ठभूमि और भोजपुरी, हिंदी, अंग्रेजी का सम्यक ज्ञान रखने वाले शोधार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

(हस्ताक्षर, दिनांक सहित)